सेमेस्टर पद्धति पर आधारित

स्नातक पाठ्यक्रम– संस्कृत (UG Course Sanskrit)

प्रश्नपत्र–संरचना

Semester /सेमेस्टर	**Course Code /पाठ्यक्रम कोड**	**Title of the Course /पाठ्यक्र का शीर्षक**	**Credits /क्रेडिट**	**Compulsory/ Electve अनिवार्य/वैकल्पिक**
Compulsory Core Course /विषय केन्द्रित अनिवार्य पाठ्यक्रम				
प्रथम सेमेस्टर	UGST-101	i) अभिज्ञान शाकुन्तलम् ii) भतृहरि कृत नीतिशतकम्	4	अनिवार्य
द्वितीय सेमेस्टर	UGST-102	i)उत्तररामचरितम् ii) छन्द एवं अलंकार	4	अनिवार्य
तृतीय सेमेस्टर	UGST-103	i)कादम्बरी कथामुखम् ii)सिद्धान्त कौमुदी कारक प्रकरण iii संस्कृत निबन्ध	4	अनिवार्य
चतुर्थ सेमेस्टर	UGST-104	i)वेद ii)कठोपनिषद् iii)अनुवाद	4	अनिवार्य
Ability Enhancement Compulsory Courses/ योग्यता प्रदायी अनिवार्य पाठ्यक्रम				
प्रथम सेमेस्टर	AECEG or AECHD	Ability Enhancement Course in English Ability Enhancement Course in Hindi	4 or 4	अनिवार्य वैकल्पिक
द्वितीय सेमेस्टर	CHEQ/EA	Ability Enhancement Course in Environment Awareness	4	अनिवार्य
Skill Enhancement Course / कौशल विकास पाठ्यक्रम				
तृतीय सेमेस्टर	SES&T-01	Skill Enhancement Course on Science &Technology	4	अनिवार्य
चतुर्थ सेमेस्टर	SEIC&T-02	Skill Enhancement Course on Indian Culture & Tourism	4	अनिवार्य
पंचम सेमेस्टर	SESP-03	Skill Enhancement Course on Secretarial Practices	4	अनिवार्य
षष्ठ सेमेस्टर	SEINS-04	Skill Enhancement Course on Insurance	4	अनिवार्य
Discipline Centric Elective Course/ विषय केन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम				
पंचम सेमेस्टर	DCEST-105 or DCEST -106	संस्कृत साहित्य की रूपरेखा लघुसिद्धान्त कौमुदी–संज्ञा, संन्धि, स्त्री प्रत्यय **अथवा** भाषा– विज्ञान	4 or 4	वैकल्पिक
षष्ठ सेमेस्टर	DCEST -107 or DCEST -108	i)दर्शन ईशावस्योनिषद ii)श्रीमद्भगवद्गीता **अथवा** काव्य एवं कव्यशास्त्र i) साहित्य दर्पण ii) किरातार्जुनीयम्	4 or 4	वैकल्पिक
Open Elective/ अन्य विषय केन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम				
पंचम सेमेस्टर	OEODL or OEIT	Open Elective Course In Open and Distance Learning **or** Open Elective Course in Nutrition for Community.	4 or 4	वैकल्पिक
षष्ठ सेमेस्टर	OECNC or OEDM	Open Elective Course in Nutrition for Community. **or** Open Elective Course in Disaster Management	4 or 4	वैकल्पिक

संस्कृत

UGST-101

अभिज्ञानशाकुन्तलम्
नीतिशतकम्

खण्ड–1 **अभिज्ञानशाकुन्तलम् I– (सामान्य अध्ययन के लिए सम्पूर्ण, संस्कृत व्याख्या तथा हिन्दी अनुवाद के लिए चतुर्थ अंक पर्यन्त)**

इकाई–1 महाकवि कालिदास, (जीवनवृत्त, स्थिति –काल, कृतियाँ)

इकाई–2 अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कथानक, मूलकथा–स्रोत, नामकरण, नाटकत्व)

इकाई–3 नाटक की महत्ता, तथा अभिज्ञानशाकुन्तल का वैशिष्टय, कालिदास की नाट्यकला, अलंकार योजना, रसयोजना, सौन्दर्य –प्रेम चित्रण, प्रकृति–चित्रण आदि तथा अन्य आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–4 प्रमुख पात्रों का चरित्र –चित्रण

खण्ड –2 **अभिज्ञानशाकुन्तलम II**

इकाई–5 प्रथम अंक के श्लोक 1 से 16 तक। सभी श्लोकों की संस्कृत–हिन्दी व्याख्या अनुवाद एवं सूक्तियों की व्याख्या।

इकाई–6 प्रथम अंक के श्लोक 17 से 33 तक। सभी श्लोकों की संस्कृत–हिन्दी व्याख्या, अनुवाद एवं सूक्तियों की व्याख्या।

इकाई–7 द्वितीय अंक की संस्कृत–हिन्दी व्याख्या अनुवाद एवं सूक्तियों की व्याख्या।

इकाई–8 तृतीय अंक के श्लोक 1 से 12 तक। सभी श्लोकों की संस्कृत–हिन्दी व्याख्या, अनुवाद एवं सूक्तियों की व्याख्या।

इकाई–9 तृतीय अंक के श्लोक 13 से 24 तक। सभी श्लोकों की संस्कृत–हिन्दी व्याख्या अनुवाद एवं सूक्तियों की व्याख्या।

इकाई–10 चतुर्थ अंक के सभी 10 श्लोकों की संस्कृत–हिन्दी व्याख्या, अनुवाद एवं सूक्तियों की व्याख्या।

खण्ड –2 **नीतिशतकम्– (श्लोक–1 से श्लोक 30 तक)**

इकाई–11 भर्तृहरि का जीवन–वृत्त और कृतियाँ। श्लोकों पर विशेष टिप्पणियाँ। 1 से 30 तक श्लोकों की हिन्दी व्याख्या, अनुवाद एवं सामान्य प्रश्न।

इकाई–12 श्लोकों पर विशेष टिप्पणियाँ।

इकाई–13 1 से 15 श्लोकों की हिन्दी व्याख्या, अनुवाद एवं सामान्य प्रश्न ।

इकाई–14 14 से 30 श्लोकों की हिन्दी व्याख्या, अनुवाद एवं सामान्य प्रश्न ।

UGST-102

उत्तररामचरितम्

छन्दोऽलंकार

खण्ड–1 **नाटक : उत्तररामचरितम्– (तृतीय अंक पर्यन्त)**

इकाई–1 नाटक–उपयोगिता एवं स्वरूप, रमणीयता, उत्पत्ति तथा विशेषताएँ। नाटक के मूल तत्त्व, नायक के प्रकार एवं लक्षण, प्रतिनायक, नायिका। रस तथा भाव। प्रेक्षागृह आदि।

इकाई–2 भवभूति– जीवन परिचय, समय, भवभूति का पाण्डित्य, रचनाएँ, भवभूति का काव्य सौन्दर्य, भवभूति और कालिदास तथा अन्य आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–3 उत्तररामचरितम् की संक्षिप्त कथा

इकाई–4 पात्रों का चरित्र –चित्रण

खण्ड–2 **उत्तररामचरितम्**

इकाई–5 प्रथम अंक के श्लोक 1 से 16 तक की अनुवाद एवं व्याख्या

इकाई–6 प्रथम अंक के श्लोक 17 से 35 तक की अनुवाद एवं व्याख्या

इकाई–7 प्रथम अंक के श्लोक 36 से अन्त तक की अनुवाद एवं व्याख्या

खण्ड–3 **उत्तररामचरितम**

इकाई–8 द्वितीय अंक के श्लोक 1 से 15 तक की अनुवाद एवं व्याख्या

इकाई–9 द्वितीय अंक के श्लोक 16 से अन्त तक की अनुवाद एवं व्याख्या

खण्ड–4 **उत्तररामचरितम**

इकाई–10 तृतीय अंक के श्लोक 1 से 25 तक की अनुवाद एवं व्याख्या

इकाई–11 तृतीय अंक के श्लोक 26 से 48 तक की अनुवाद एवं व्याख्या तथा सुभाषित वाक्यों की व्याख्या

खण्ड–5 **छन्दोऽलंकार–(साहित्यदर्पण के आधार पर)**

इकाई–12 छन्दों का सामान्य परिचय– गण– विचार, यति, वर्णिक छन्द, मात्रिक छन्द, प्रमुख छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण– अनुष्टुप या श्लोक, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, द्रुतविलम्बित, वंशस्थ, वसन्ततिलका, मालिनी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडित, स्नग्धरा, वियोगिनी, पुष्पिताग्रा, आर्या।

इकाई–13 अलंकारों का सामान्य परिचय– अलंकार की व्युत्पति, साहित्यदर्पण के अनुसार अलंकार की परिभाषा, अलंकारों का वर्गीकरण तथा भेद, आचार्य विश्वनाथ का परिचय समय, रचनाएँ, साहित्यदर्पण का प्रतिपाद्य विषय, काव्यशास्त्र के सम्प्रदाय।

इकाई– 14 प्रमुख अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण और उनमें भेद –अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, सन्देह, भ्रान्तिमान, व्यतिरेक, प्रतिवस्तूपमा, दृष्टान्त, अर्थान्तरन्यास, तुल्योगिता, दीपक, विभावना, विशेषोक्ति, विरोध या विरोधाभास, परिसंख्या, निदर्शना प्रमुख अलंकारों में भेद।

UGST-103

कादम्बरी कथामुखम्
कारक प्रकरण
संस्कृत निबन्ध

- **कादम्बरी कथामुखम् –(अगस्त्याश्रम वर्णन पर्यन्त)**

  संस्कृत गद्य– साहित्य का उद्‌भव और विकास, तथा सामान्य परिचय, महाकवि बाणभट्ट : जीवन वृत्त, स्थितिकाल एवं कृतित्व। कादम्बरी : कथानक एवं पात्र– परिचय (चरित्र–चित्रण), कादम्बरी– समीक्षा, कथा का मूल स्रोत, कथा–आख्यायिका में भेद, बाण का साहित्यिक वैभव–शैली एवं भाषा, गद्य सौष्ठव, बाणभट्ट विषयक सूक्तियाँ।

  कादम्बरी– कथामुखम् (अगस्त्याश्रमवर्णन पर्यन्त)– अनुवाद।

- **कारक प्रकरण –(सिद्धान्त कौमुदी)**
  कारक का सामान्य परिचय, प्रथमा विभक्ति से सप्तमी विभक्ति तक सम्पूर्ण कारक प्रकरण। सभी सूत्रों की व्याख्या तथा उदाहरण।
- **संस्कृत निबन्ध**

वर्णनात्मक निबन्ध– गंगा, वाराणसी, संस्कृतभाषायाः महत्त्वम् वैशिष्ट्यच, नौका– विहारः, सैनिक शिक्षा, समाचारपत्रम्, पुस्तकालयः, दीपावली, वसन्तः, ग्रीष्मः, स्वतंत्रतादिवसोत्सवः, गणतंत्रविशेषोत्सवः।

विचारात्मक निबन्ध– भगवान श्रीकृष्णः, भगवान बुद्धः, महामना मदनमोहन मानवीयः, महात्मा गान्धिः।

भावात्मक व समीक्षात्मक निबन्ध, –महाकविःकालिदासः, सत्संगतिः , सदाचारः, परोपकारः।

शास्त्रीय कवि, सूक्ति एवं सुभाषितगत निबन्ध – अनुशासनम्, विद्यार्थिकर्त्तव्यम्, आधुनिक विज्ञानम्, विद्या, सत्यम, (सत्यमेव जयते नानृतम्), उद्योगः, अहिंसा, गुणैर्हि सर्वत्र पदं निधीयते, मातृभक्तिः देशभक्तिश्च, वैदिकी संस्कृतिः, भारतीय– संस्कृतिः, ऋग्वेदः, वेदागानाम् महत्त्वम् ,महाकविः दण्डी, महाकविः बाणभट्टः, महाकवि अश्वघोषः, महाकविः भारविः, अस्माकम् देशः।

UGST-104

वैदिकमन्त्रचयनम्
कठोपनिषद्

खण्ड–1 वैदिकमन्त्रचयनम्

इकाई–1 **वेदों का सामान्य परिचय–** चार वेद, चार ऋत्विक् , वेदत्रयी, वेदों के विभागः संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्। संहिता ग्रन्थ – ऋग्वेद संहिता, यजुर्वेद संहिता, सामवेद संहिता, अथर्ववेद संहिता। ब्राह्मणग्रन्थ– ऋग्वेद, शुक्लयजुर्वेद, कृष्णयजुर्वेद, सामवेदीय, ब्राह्मण, अथर्ववेदीय ब्राह्मण ग्रन्थ। आरण्यक ग्रन्थ ऋग्वेद के, सामवेद के तथा अथर्ववेद के आरण्यक। उपनिषदों का सामान्य परिचय।

इकाई–2 **वेदाङ्ग –** शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द, ज्योतिष। प्रातिशाख्य– ऋग्वेदप्रातिशाख्य, तैत्तिरीयप्रतिशाख्य, शुक्लयजुर्वेद प्रातिशाख्य, शौनकीय चतुरध्यायिका, अथर्वप्रातिशाख्य, ऋक्तन्त्र।

इकाई–3 **देवता–परिचय** अग्नि, इन्द्र, विश्वेदेवा, विष्णु, वाक्, पुरुष, शिवसंकल्प सूक्तों में –स्थान, उत्पत्ति , स्वरूप, कार्य, प्राकृतिक आधार, निवास स्थान एवं महत्त्व ।

इकाई–4 **वैदिक भाषा की विशेषताएँ और ऋग्वेद के छन्द**– वैदिक भाषा की विशेषताएँ, ध्वन्यात्मक विशेषताएँ, सन्धिगत विशेषताएँ, स्वराघात, धातुरूप, शब्दरूप, वाक्यविन्यास, वैदिक स्वरप्रक्रियाएँ। ऋग्वेद के छन्द (गायत्री, उष्णिक्, अनुष्टुप्, बृहती, जगती, पंक्ति, छन्दों के विषय में विशेष)।

खण्ड –1 (भाग 2) वैदिक सूक्तों के मन्त्र

इकाई–5 अग्निसूक्त, विश्वेदेवाःसूक्त, का पदपाठ, सायणभाष्य, अन्वय, पदार्थ, अनुवाद तथा व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ।

इकाई–6 विष्णुसूक्त, इन्द्रसूक्त, का पदपाठ, सायणभाष्य, अन्वय, पदार्थ, अनुवाद तथा व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ।

इकाई–7 पुरुषसूक्त, वाक्सूक्त, का पदपाठ, सायणभाष्य, अन्वय, पदार्थ, अनुवाद तथा व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ।

इकाई–8 शिवसंकल्प सूक्त का पदपाठ, सायणभाष्य, अन्वय, पदार्थ, अनुवाद तथा व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ।

खण्ड –2 कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय) –(प्रथम अध्याय– तृतीय वल्ली पर्यन्त)

इकाई– 10 वैदिक वाङ्मय में कठोपनिषद्,

इकाई–11 कठोपनिषद् का सामान्य परिचय एवं स्थान

इकाई–12 कठोपनिषद् का प्रतिपाद्य एवं सारांश

इकाई–13 कठोपनिषद् का सामान्य अध्ययन एवं श्लोकों की व्याख्या – प्रथम वल्ली हिन्दी अर्थ, भावार्थ, शाब्दिक निर्वचन, पारिभाषिक शब्दार्थ एवं समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई–14 द्वितीय एवं तृतीय वल्ली हिन्दी अर्थ, भावार्थ, शाब्दिक निर्वचन, पारिभाषिक शब्दार्थ एवं समीक्षात्मक प्रश्न।

DCEST-101

संस्कृत साहित्य की रूपरेखा

लघु सिद्धान्त कौमुदी–संज्ञा, सन्धि,स्त्री प्रत्यय

खण्ड– 1 लौकिक संस्कृत– साहित्य का इतिहास

इकाई–1 रामायण– संस्करण, प्रक्षिप्त अंश, आदिकवि वाल्मीकि, रचनाकाल, आदिकाव्य रामायण, रामायण और महाभारत की संस्कृतियों का भेद, रामायण का प्रतिपाद्य विषय, रामायण के प्रणेता।

इकाई–2 रामायण का महत्त्व, काव्य– सौन्दर्य, प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण, स्त्रीपात्रों का चित्रण, रामायण का उपजीव्यत्व।

इकाई–3 महाभारत– रचनाकाल, विकासक्रम, विभाजन, टीकाकार, काव्य सौन्दर्य।

इकाई–4 महाभारत का प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व– महाभारत में विज्ञान, धर्म, राजनीति, समाज एवं अर्थ व्यवस्था।

इकाई–5 महाकाव्य– बुद्धचरित, रघुवंश तथा कुमारसंभव –महाकाव्यों का उद्‌भव और विकास, अश्वघोष, महाकवि कालिदास– स्थिति काल, उपमा कालिदासस्य। रघुवंश–विषयवस्तु, कुमारसम्भव– कथा– योजना।

इकाई–6 किरातार्जुनीय, शिशुपालवध, नैषधीयचरित–महाकवि भारवि–भारवेरर्थगौरवम्, किरातार्जुनीय– कथानक, काव्यगत विशेषताएँ। महाकवि माघ, शिशुपालवध का कथानक, काव्यगत विशेषताएँ, माघ का वैदुष्य। श्री हर्ष, काव्यगत विशेषताएँ एवं अन्य महाकाव्य।

खण्ड–2 संस्कृत– साहित्य का इतिहास

इकाई–7 नाटक और प्रमुख नाटककार– नाटक– संस्कृत नाटकों का विकास, नाटक का वैशिष्ट्य, भास– परिचय, रचनाएँ, भास के नाटकों का संक्षिप्त परिचय, भास का समय। कालिदास– परिचय, रचनाकाल, नाटक। भवभूति–परिचय, रचनाकाल, नाटकों का संक्षिप्त परिचय। शूद्रक–परिचय, स्थितिकाल, साहित्यिक उल्लेख शदक का नाटक–मृच्छकटिक। विशाखदत्त– परिचय, रचनाकाल, कथानक। भट्टनारायण परिचय, रचनाकाल, रचना–वेणी संहार।

इकाई–8 गद्यकाव्य– गद्यकाव्य का स्वरूप उत्पत्ति एवं विकास, वैदिक गद्य, साहित्यिक गद्य, कथा और आख्यायिका, गद्य के अवान्तर भेद।

इकाई–9 प्रमुख गद्यकार– सुबन्धु–जीवन वृत्त, कृतित्व, समय, वासवदत्ता की संक्षिप्त कथा, सुबन्धु की शैली और काव्य सौन्दर्य। दण्डी– जीवनवृत्त, कृतियाँ, समय, दशकुमारचरित की संक्षिप्त कथा, दण्डी की शैली, दण्डिन : पदलालित्यम्, दण्डी का काव्य सौष्ठव, नैतिक आदर्श।बाणभट् – जीवनवृत्त, कृतित्व, बाण के गद्य काव्यों की संक्षिप्त कथा (हर्ष चरित, कादम्बरी), बाण की शैली, बाणोच्छिष्ट जगत्सर्वम्, बाण का काव्य सौन्दर्य।

इकाई–10 चम्पूकाव्य– काव्य का स्वरूप, काव्य के भेद, चम्पूकाव्य का स्वरूप, मिश्र–काव्य के विकास की पृष्ठभूमि, चम्पूकाव्येतर मिश्रशैली का स्वरूप।

इकाई–11 प्रमुख चम्पूकार– महाकवि त्रिविक्रमभट्ट– जीवनवृत्त, कृतित्व, नलचम्पू की कथावस्तु। महाराजभोज – जीवनवृत्त – समय, कृतित्व, चम्पूरामायण की कथावस्तु अनन्तभट्ट– जीवनवृत्त और समय चम्पूभारत की कथा वस्तु। कृतित्व । कविकर्णपूर– जीवनवृत्त एवं कृतित्व तथा आनन्दवृन्दावनचम्पू की कथावस्तु। श्रीजीवगोस्वामी–जीवनवृत्त, कृतित्व, श्रीगोपाल चम्पू की कथावस्तु, गोपाल– उत्तरचम्पू।

इकाई–12 जन्तु कथाएँ– कथा साहित्य, कथासाहित्य का उद्भव और विकास, नीति– कथाओं की विशेषताएँ, जन्तुकथाएँ (पंचतन्त्र, हितोपदेश)।

खण्ड–3 लघुसिद्धान्तकौमुदी – संज्ञा प्रकरण तथा सन्धि प्रकरण

इकाई–13 **संज्ञा प्रकरण–** इत्संज्ञा, लोपसंज्ञा, प्रत्याहार, ह्रस्वदीर्घप्लुतसंज्ञा, उदात्तानुदात्तस्वरितसंज्ञा, अनुनासिकसंज्ञा, सवर्णसंज्ञा, संहितासंज्ञा, संयोगसंज्ञा, पदसंज्ञा।

यण्–अयादिचतुष्टय–गुण–वृद्धिसन्धि प्रकरण– यण्सन्धि, अयादिचतुष्टयसन्धि, गुणसन्धि, वृद्धिसन्धि। **पररूप–सवर्णदीर्घ सन्धि प्रकरण –** पररूप, सवर्णसन्धि, दीर्घसन्धि। **पूर्वरूप–प्रकृतिभाव–ह्स्वसन्धि प्रकरण –** पूर्वरूप संधि, प्रकृतिभाव, ह्रस्वविधान।

इकाई–14 **श्चुत्व–ष्टुत्व–शश्छोऽट–** अनुस्वारादि– हल्सन्धिप्रकरण।

कुक्–टुक्–घुट्–तुक्– ड.मुट्– रूविधान– हल्सन्धिप्रकरण ।

विसर्गसन्धि प्रकरण– सत्वविधान, रुत्वविधान, यत्वविधान, रत्वविधान, र–लोपविधान अण् दीर्घविधान, सुलोप विधान।

स्त्रीप्रत्ययप्रकरण– टाप्, ङीप्, ऊङ् , ङ्ीन, क्तिन् प्रत्यय विधान।

DCEST-102

भाषा विज्ञान

खण्ड–1 **भाषा विज्ञान**

इकाई–1 **भाषा की उत्पत्ति**

इकाई–2 ध्वनियन्त्र

इकाई–3 ध्वनि का वर्गीकरण

इकाई–4 ध्वनियों के गुण

इकाई–5 ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

इकाई–6 अर्थ परिवर्तन के कारण

इकाई–7 अर्थ परिवर्तन या अर्थ विकास की दिशाएँ।

इकाई–8 **विश्व भाषाओं का आकृतिमूलक वर्गीकरण**– भाषा का वर्गीकरण, आकृतिमूलक वर्गीकरण की समीक्षा।

इकाई–9 **विश्वभाषाओं का पारिवारिक वर्गीकरण –** पारिवारिक वर्गीकरण का आधार समीक्षा एवं उपयोगिता विश्व के भाषा– परिवारों का संक्षिप्त परिचय (यूरेशिया, अफ्रीका, प्रशान्त महासागरीय खण्ड) अमेरिका खण्ड।

इकाई–10 **भारोपीय – भाषा– परिवार –** भाषाएँ भारोपीय परिवार का महत्त्व, विशेषताएँ, भारोपीय परिवार के केन्तुम् और सतम् वर्ग, भारोपीय परिवार की भाषाओं का परिचय।

खण्ड–2 **भाषा विज्ञान**

इकाई–11 **आर्य भाषा या भारत–** ईरानी शाखा :– आर्य परिवार, महत्त्व, आर्यशाखा का विभाजन, वैदिक संस्कृत तथा अवेसता की तुलना।

इकाई–12 **भारतीय आर्य भाषा–** भारतीय आर्यभाषा का महत्त्व, काल– विभाजन, प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ, प्राचीन प्राकृत या पालि (प्रथम–प्राकृत), पालि शब्द की व्युत्पति एवं विशेषताएँ

इकाई–13 शिलालेखी प्राकृत, मध्यकालीन प्राकृत, शौरसेनी, महाराष्ट्री (महाराष्ट्रीय) मागधी, अर्धमागधी, पैशाची, प्राकृत भाषाओं की सामान्य विशेषताएँ, अपभ्रंश (परकालीन प्राकृत तृतीय प्राकृत) आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ एवं उनका संक्षिप्त परिचय।

इकाई–14 **वैदिक और लौकिक संस्कृत में अन्तर :–** वैदिक संस्कृत, वैदिक संस्कृत की ध्वनियाँ, मूल भारोपीय और वैदिक ध्वानियों में अन्तर, वैदिक संस्कृत की प्रमुख विशेषताएँ, लौकिक संस्कृत की प्रमुख विशेषताएँ, लौकिक संस्कृत (संस्कृत भाषा) की ध्वनियाँ, लौकिक संस्कृत (संस्कृत भाषा) की विशेषताएँ, वैदिक और लौकिक संस्कृत की समानताएँ एवं विषमताएँ।

DCEST-103

दर्शन

1. **ईशावास्यपनिषद्**
2. **श्रीमद्भागवद्गीता**

खण्ड–1 ईशावास्पयोपनिषद्

इकाई–1 ईशावास्योपनिषद्– दर्शनशास्त्र का अर्थ, वेदान्तर्गत उपनिषदों का नाम संकीर्तन।

इकाई–2 प्रमुख उपनिषदों का परिचय– ईशावास्योपनिषद्, केनोपनिषद्, कठोपनिषद्, प्रश्नोपनिषद्, मुण्डकोपनिषद्, माण्डुक्योपनिषद्, तैत्तिरोयोपनिषद्, ऐतरेयोपनिषद्, छान्दोग्योपनिषद्, कौषीतकीय उपनिषद्, श्वेताश्वतरोपनिषद्।

इकाई–3 उपनिषद् की प्रतिपादन शैली, समय एवं टीकाकार शंकरचार्य।

इकाई–4 श्लोक– 1 से 5 तक सन्दर्भ सहित व्याख्या।

इकाई–5 श्लोक–6 से 12 तक सन्दर्भ सहित व्याख्या।

इकाई–6 श्लोक–13 से 18 तक सन्दर्भ व्याख्या तथा व्याख्यात्मक प्रश्न।

खण्ड–2 श्रीमद्भगवद्गीता –(द्वितीय तथा तृतीय अध्याय)

इकाई–7 श्रीमद्भगवद्गीता – भगवद्गीता का कलेवर एवं भाषा शैली, भगवद्गीता का स्रोत एवं काल, प्रतिपाद्य– विषय तथा दार्शनिक चिन्तन।

इकाई–8 जीवन शैली एवं आचार संहिता– जीवन शैली एवं आचार संहिता, भगवद्गीता का सन्देश, विषय एवं प्रतिपादन– शैली, भगवद्गीता पर लिखित संस्कृत टीकाएँ, सांख्ययोग का विषयसार, कर्मयोग का विषय सार।

इकाई–9 द्वितीय अध्याय–श्लोक – 1 से 25 तक वाचन, अनुवाद तथा व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–10 द्वितीय अध्याय–श्लोक – 26 से 50 तक वाचन, अनुवाद तथा व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–11 द्वितीय अध्याय–श्लोक – 51 से 75 तक वाचन, अनुवाद तथा व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

खण्ड–3 श्रीमद्भगवद्गीता

इकाई–12 तृतीय अध्याय श्लोक 01 से 15 तक – वाचन, अनुवाद तथा व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–13 तृतीय अध्याय श्लोक 16 से 30 तक – वाचन, अनुवाद तथा व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–14 तृतीय अध्याय श्लोक 31 से 43 तक – वाचन, अनुवाद तथा व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। सम्भावित प्रश्न एवं सारांश।

DCEST-104

काव्य एवं काव्य शास्त्र

साहित्यदर्पण
किरातार्जुनीयम्

खण्ड–1 **साहित्य –दर्पण (तृतीय परिच्छेद पर्यन्त)**

इकाई–1 **प्रथम परिच्छेद–** वक्रोक्ति जीवितकार, मम्मट, भोजदेव तथा ध्वन्यालोककार के मत की आलोचना एवं खण्डन, काव्य का प्रमुख फल रसास्वाद– इसका उपपादन, पद्य के नीरस अंशो में भी काव्यत्व का उपपादन, वामन के मत की आलोचना, आनन्दवर्धन की आलोचना।

इकाई–2 प्रथम परिच्छेद– साहित्यदर्पणकार का काव्यलक्षण, काव्यदोष तथा इनके कार्य, गुण, अलंकार तथा रीति।

इकाई–3 **द्वितीय परिच्छेद–** वाक्य का लक्षण, आकाङ्क्षा, योग्यता तथा आसक्ति के (स्वरूप–लक्षण), महावाक्य का लक्षण (स्वरूप), पद का लक्षण, अर्थ के तीन भेद और उनके स्वरूप, अभिधा शक्ति का स्वरूप एवं संकेतग्रह के साधन, किस–किस अर्थ में संकेतग्रह, लक्षणा शक्ति का स्वरूप, 'कर्मणिकुशलः' आदि प्रयोगों में रूढ़ि लक्षणा का खण्डन।

इकाई–4 **द्वितीय परिच्छेद –** लक्षणा का भेद– उपादान लक्षणा का स्वरूप, लक्षणा के भेद लक्षण– लक्षणा का स्वरूप, आरोपा तथा अध्यवसाना इन भेदों के कारण लक्षणा के 8 भेद, शुद्धा एवं गौणी के भेद से लक्षणा के 16 भेद, 'गौर्वाहीकः' के शाब्दबोध–सम्बन्धी विभिन्न मत और उनका खण्डन तथा साहित्यदर्पणकार का मत।

इकाई–5 **द्वितीय परिच्छेद –** व्यंग्य के गूढ़ और अगूढ़ होने का कारण प्रयोजनवती लक्षणा के 16 भेद, व्यंग्य–प्रयोजन के धर्मिगत तथा धर्मगत भेदों के कारण 32 भेद , लक्षणा के 40 भेद पुनः 80 भेद, व्यंजना का स्वरूप लक्षण, शाब्दी व्यंजना के भेद, अभिधामूला तथा लक्षणामूला व्यंजना का स्वरूप तथा उदाहरण।

इकाई–6 **द्वितीय परिच्छेद–** आर्थी व्यंजना का लक्षण, उदाहरण, भेद, शब्द एवं अर्थ दोनों की ही व्यंजकता–व्यंजना विवेचन, शब्द के तीन भेद, मीमांसकाभिमत तात्पर्या वृत्ति का स्वरूप।

इकाई–7 **तृतीय परिच्छेद–**रस का सामान्य एवं विशेष स्वरूप एवं आस्वादन – प्रकार, करुणादि के भी रसत्व का उपपादन, दुख की कारणभूत सामग्री से सुखरूप रसोत्पति कैसे? रसानुभूति क्यों, अश्रुपातादि क्यों, रामादि के रत्यादि के उद्‌बोध के कारणों से सामाजिक की रत्यादि का उद्‌बोध कैसे, साधारणीकरण व्यापार का स्वरूप, सामान्य सामाजिक में उत्साहादिबोध कैसे, विभावादि की भी साधारण्य से ही प्रतीति, विभवादि भी अलौकिक।

इकाई–8 **तृतीय परिच्छेद–** रसबोध में विभावादि, विभावादि में एक रस कैसे, 'रस अनुकार्यगत हैं' तथा– 'रस अनुकर्तृगत है– खंडन, रसज्ञाप्य नहीं, रस कार्य नहीं रस नित्य नहीं रस भविष्यत कालीन नहीं, रस वर्तमान नहीं, रस निर्विकल्पक– सविकल्पक ज्ञान का विषय नहीं, रस परोक्ष या अपरोक्ष नहीं, रस का वास्तविक स्वरूप – अलौकिक, चवर्णा ही रससत्ता में प्रमाण, रस की अवाच्यता आदि का उपपादन, इत्यादि की रसरूपता का उपादन।

खण्ड– 2 **किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)**

इकाई–9 आलोचनात्मक अध्ययन से सम्बन्धित – अलंकृत शैली के प्रवर्तक – कवि भारवि, भारवि का स्थितिकाल, जीवन–परिचय।

इकाई–10 काव्यभेद तथा महाकाव्य का स्वरूप, महाकाव्य का नामकरण

इकाई–11 महाकाव्य का नायक, संक्षिप्त इतिवृत्त, महाभारत की कथा से प्राप्त परिवर्तन

इकाई–12 भारवि की प्रशस्ति, शैली का वैशिष्टय, भारवि का अर्थ–गौरव, भारवि का अलंकार निरूपण, छन्द रसाभिव्यंजना, प्रथम सर्ग की कथा, प्रथम सर्ग की सूक्तियाँ।

इकाई–13 प्रथम सर्ग के सभी श्लोकों (1–20) की व्याख्या तथा अनुवाद।

इकाई–14 प्रथम सर्ग के सभी श्लोकों (21–46) की व्याख्या तथा अनुवाद।